भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2212

08 अगस्त, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

देश में निवारक स्वास्थ्य सेवा

2212. श्रीमती फूलो देवी नेतमः

श्रीमती रंजीत रंजनः

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार इस तथ्य का संज्ञान लेती है कि महामारी के बाद की दुनिया को स्वास्थ्य देखभाल के प्रति एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें वृद्धिशील दृष्टिकोण को व्यापक दृष्टिकोण में बदलना शामिल है;

(ख) यदि हां, तो स्वास्थ्य देखभाल के लिए व्यापक दृष्टिकोण अपनाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) निवारक और प्रोत्साहन स्वास्थ्य देखभाल दृष्टिकोण पर और ज्यादा ध्यान केन्द्रित करने तथा मौजूदा स्वास्थ्य देखभाल अवसंरचना को उन्नत और मजबूत करने हेतु नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (डॉ. भारती प्रविण पवार)

(क) से (ग): स्वास्थ्य परिचर्या के प्रति समग्र दृष्टिकोण के लिए, जिसमें वृद्धिशील से व्यापक दृष्टिकोण में बदलाव शामिल है, भारत सरकार ने निम्नलिखित कदम उठाए हैं:

फिटनेस को हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने के उद्देश्य से माननीय प्रधानमंत्री द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट शुरू किया गया था। इस आंदोलन का मिशन व्यवहार में बदलाव लाना और अपेक्षाकृत अधिक शारीरिक रूप से सक्रिय जीवनशैली की ओर बढ़ना है। इस मिशन को प्राप्त करने की दिशा में, फिट इंडिया ने फिटनेस के उद्देश्यों को आसान, मजेदार और मुफ्त में प्राप्त करने के लिए विभिन्न पहल करने और कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव रखा है, फिटनेस और विभिन्न शारीरिक गतिविधियों पर जागरूकता फैलाई है जो प्रत्येक स्कूल, कॉलेज/विश्वविद्यालय, पंचायत/गांव और भारत के नागरिकों के लिए जानकारी साझा करने, जागरूकता बढ़ाने और व्यक्तिगत फिटनेस कहानियों को साझा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक मंच बना कर अभियानों के माध्यम से फिटनेस को बढ़ावा देते हैं, स्वदेशी

खेलों को प्रोत्साहित करते हैं, फिटनेस को लोगों तक पहुंचाते हैं।

भारत सरकार ने भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के साथ मिलकर सभी के लिए सुरक्षित, स्वस्थ और समावेशी भोजन की संस्कृति बनाने के लिए ईट राइट इंडिया आंदोलन की शुरुआत की है। स्वस्थ आहार को बढ़ावा देने के लिए सभी पीएचसी-एचडब्ल्यूसी में ईट राइट टूलकिट उपलब्ध करायी गयी है।

फ्रंटलाइन-हेल्थ केयर वर्कर्स में गैर-संचारी रोगों की जांच और शीघ्र पता लगाने में सक्षम बनाने के लिए एबी-एचडब्ल्यूसी में एक फिट हेल्थ वर्कर अभियान शुरू किया गया है।

31.07.2023 तक, व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या (सीपीएचसी) प्रदान करने के लिए मौजूदा एसएचसी और पीएचसी को अपग्रेड करके भारत में कुल 1,60,816 आयुष्मान भारत - स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्र (एबी-एचडब्ल्यूसी) को प्रचालित किया गया है, जिसमें निवारक, प्रोत्साहन, उपचारात्मक, उपशामक और पुनर्वास सेवाएँ जो सार्वभौमिक, मुफ़्त और समुदाय के करीब हैं शामिल है। इसके अलावा, 31 जुलाई, 2023 तक एबी-एचडब्ल्यूसी में 186.48 करोड़ से अधिक लोगों की उपस्थिति दर्ज की गई और उच्च रक्तचाप के लिए 44.03 करोड़, मधुमेह के लिए 38.18 करोड़, मुख के कैंसर के लिए 26.10 करोड़, स्तन कैंसर के लिए 12.01 करोड़ और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के लिए 8.28 करोड़ स्क्रीनिंग एबी-एचडब्ल्यूसी में किया गया।

बीमारियों के प्रबंधन से परे, प्रोत्साहन और निवारक स्वास्थ्य एबी-एचडब्ल्यूसी में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या और आरोग्य कार्यकलापों का एक अभिन्न अंग है और इसमें योग, ध्यान, स्वस्थ आहार और जीवन शैली के लिए परामर्श, साइकिल चलाना, वार्षिक स्वास्थ्य दिवस मनाना आदि शामिल हैं। 31.07.2023 तक एबी-एचडब्ल्यूसी में 2.27 करोड़ से अधिक आरोग्य सत्र आयोजित किए गए हैं।

लोगों के समीप विशेषज्ञ सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए ई-संजीवनी के माध्यम से टेलीकंसल्टेशन सेवाएं प्रचालनरत एबी-एचडब्ल्यूसी पर उपलब्ध हैं। 31 जुलाई 2023 तक, ई-संजीवनी पोर्टल के माध्यम से 14.35 करोड़ से अधिक टेलीपरामर्श प्रदान किए गए हैं।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) का लक्ष्य देश के एकीकृत डिजिटल स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे का सहयोग करने के लिए आवश्यक आधार विकसित करना है। यह डिजिटल प्रणाली के माध्यम से स्वास्थ्य परिचर्या पारिस्थितिकी तंत्र के विभिन्न हितधारकों के बीच मौजूदा अंतराल को भर देगा। डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र एबीएचए-आईडी के आधार पर स्वास्थ्य रिकॉर्ड बनाता है। यह 14-अंकीय संख्या भारत के डिजिटल हेल्थकेयर पारिस्थितिकी तंत्र में एक भागीदार की विशिष्ट पहचान करेगी जिसे देश भर में स्वास्थ्य सेवा प्रदाता और भुगतानकर्ता स्वीकार करेंगे। 31.07.2023 तक, 43.27 करोड़ से अधिक एबीएचए नंबर बनाए जा चुके हैं।

*****